खुशहाल गाँव और समृद्ध शहर

अध्याय – 8 (अभ्यास)

www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

आओ याद करें

प्रश्न 1. खाली जगहों को भरो :

(क) तमिल के बड़े भूस्वामी को ....
कहते थे।

(ख) ग्राम-भोजकों की जमीन पर
प्रायः .... द्वारा खेती की जाती थी।

www.evidyarthi.in

(ग) तमिल में हलवाहे को .... कहते थे।

(घ) अधिकांश गृहपति .... भूस्वामी होते थे।

www.evidyarthi.in

उत्तर :

(क) वेल्लला
(ख) दास और मजदूरों
(ग) उणवार
(घ) स्वतंत्र व छोटे।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 2. ग्राम-भोजकों के काम बताओ। वे शक्तिशाली क्यों थे?

उत्तर : 'ग्राम-भोजक' के पद पर आमतौर पर गाँव का सबसे बड़ा भू-स्वामी होता था। इनकी जमीन पर इनके दास और मजदूर काम करते थे।

www.evidyarthi.in

इसके अतिरिक्त प्रभावशाली होने के कारण प्रायः राजा भी कर वसूलने का काम इन्हें ही सौंप देते थे। ये न्यायाधीश और कभी-कभी पुलिस का काम भी करते थे।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 3. गाँवों तथा शहरों दोनों में रहने वाले शिल्पकारों की सूची बनाओ।

उत्तर : बढ़ई, बुनकर, कुम्हार, सुनार, मूर्तिकार जैसे शिल्पकार गाँव व शहर दोनों जगह रहते थे।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 4. सही जवाब ढूंढो :

(क) वलयकूप का उपयोग

1.नहाने के लिए
2.कपड़े धोने के लिए।
3.सिंचाई के लिए
4.जल निकास के लिए किया जाता था।

www.evidyarthi.in

(ख) आहत सिक्के

1.चाँदी
2.सोना
3.टिन
4.हाथी दाँत के बने होते थे।

www.evidyarthi.in

(ग) मथुरा महत्त्वपूर्ण

1.गाँव
2.पत्तन
3.धार्मिक केंद्र
4.जंगल क्षेत्र था।

www.evidyarthi.in

(घ) श्रेणी

1.शासकों
2.शिल्पकारों
3.कृषकों
4.पशुपालकों का संघ होता था।

www.evidyarthi.in

उत्तर :

(क) 4. जल निकास के लिए किया जाता था।
(ख) 1. चाँदी
(ग) 3. धार्मिक केंद्र
(घ) 2. शिल्पकारों